वन उत्पादकता संस्थान, राँची

“बांस उत्पादन, प्रबंधन एवं विपणन” पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

फरवरी 1-5, 2016

फरवरी 1-5, 2016 के दौरान वन उत्पादकता संस्थान, राँची द्वारा बांस तकनीकी सहायता समूह के अंतर्गत “बांस उत्पादन, प्रबंधन एवं विपणन” पर पाँच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण मे बुण्डू, खूंटी, लोहरदगा, मूरी, गुमला एवं पुरुलिया से आए हुए 25 कृषको ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ॰ के॰ के॰ नाग, सेवानिवृत्त उप कुलपति, राँची विश्वविद्यालय, राँची के कर-कमलों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। मुख्य अतिथि डा. नाग ने बाँस के सतत प्रबंधन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बाँस के प्रबंधन के साथ विपणन की अहम भूमिका है। उन्होने बांस के विभिन्न उपयोग से आजीविका के नये अवसर सृजन करने पर ज़ोर दिया । उन्होने कहा कि मूल्य संवर्धन द्वारा ही कृषकों एवं राज्य का विकास संभव है ।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान संस्थान के निदेशक डॉ॰ एस॰ ए॰ अंसारी ने प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए उनके हस्तशिल्प कार्यों में नवीनता लाने और बांस के उत्पादन एवं उसके सतत प्रबंधन पर प्रकाश डालते हुए आजीविका के नये अवसर सृजन करने पर ज़ोर दिया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षुओं को बांस उत्पादन, प्रबंधन एवं विपणन के विभिन्न पहलुओं - जैसे बांस की विभिन्न प्रजातियों की प्रारम्भिक जानकारी, राज्य के बांस संसाधन, पौधशाला तकनीक, बांस रोपण तकनीक, मृदा प्रबंधन, औषधीय महत्व, रोग एवं उपचार, बाज़ार एवं व्यापार, बांस उत्पादन द्वारा जीविकोपार्जन एवं कृषि-वानिकी में इसकी उपयोगिता इत्यादि सम्पूर्ण विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया। क्षेत्र भ्रमण के द्वारा भी प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षित किया गया। कार्यक्रम के दौरान ग्राम सिल्ली से आये शिल्पकारो ने अन्य प्रतिभागियो को बांस के द्वारा विभिन्न उत्पाद् का निर्माण करके दिखाया.

कार्यक्रम समन्वयक डॉ॰ शरद तिवारी, वैज्ञानिक-एफ ने इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस प्रशिक्षण के द्वारा कृषक बंधुओं को आजीविका बढ़ाने हेतु नये अवसर प्राप्त होंगे ।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञनिक डॉ॰ अनिमेष सिन्हा, डॉ॰ मालविका रे, श्रीमती रूबी सुसाना कुजूर, श्री आदित्य कुमार, श्री दीपक कुमार दास और संस्थान के कर्मचारियों का भरपूर सहयोग रहा।

वन उत्पादकता संस्थान के निदेशक डॉ॰ एस॰ ए॰ अंसारी, कार्यक्रम समन्वयक डॉ॰ शरद तिवारी एवं संकाय सदस्यों के साथ प्रशिक्षणार्थियों का समूह फ़ोटो

प्रशिक्षण कार्यक्रम का उदघाटन करते मुख्य अतिथि डॉ॰ के॰ के॰ नाग, सेवानिवृत्त उप कुलपति, राँची विश्वविद्यालय, राँची

प्रशिक्षुओं को संबोधित करते मुख्य अतिथि डॉ॰ के॰ के॰ नाग, सेवानिवृत्त उप कुलपति, राँची विश्वविद्यालय, राँची

प्रशिक्षुओं को संबोधित करते संस्थान के निदेशक डॉ॰ एस॰ ए॰ अंसारी

बांस की विभिन्न प्रजातियों एवं सर्वोतम संकुलों के चयन के बारे मे बताते संस्थान के निदेशक डॉ॰ एस॰ ए॰ अंसारी

प्रशिक्षणार्थियों को बांस मे रोग एवं उनके उपचार विषय पर व्याख्यान देते डॉ॰ एस चट्टोपाध्याय एवं झारखण्ड में बांस संसाधन के बारे मे जानकारी देते डॉ॰ ए के चक्रबर्ती

प्रशिक्षणार्थियों को बांस का औषधीय महत्व समझाते हुए डॉ॰ एम रे एवं बांस के मूल्य संवर्धन एवं अर्थशास्त्र का परिचय कराते श्री आदित्य कुमार

भोजन के रूप मे बांस की क्षमता एवं उपयोगिता विषय पर प्रशिक्षण देती डॉ॰ पी सैकिया, केन्द्रीय विश्वविद्यालय, रांची एवं बांस प्रवर्धन तकनीक एवं प्रबंधन के बारे मे बताते डॉ॰ अनिमेष सिन्हा

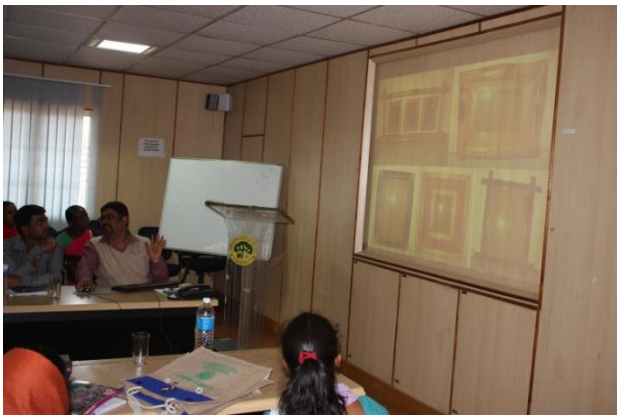

बांस उत्पादन द्वारा जीविकोपार्जन विषय पर प्रशिक्षणार्थियों का ज्ञान बढ़ाती श्रीमति रूबी कुजूर एवं भोजन, औषधि, हस्त कलाओं, फर्नीचर एवं भवन निर्माण मे बांस के उपयोग के बारे मे बताते श्री एस एन मिश्रा

प्रशिक्षणार्थियों को मृदा प्रयोगशाला दिखाते श्री एस एन वैद्य, श्री सतीश कुमार एवं श्री कनाईलाल डे

संस्थान के बांस वाटिका को देखते प्रशिक्षणार्थी

संस्थान के बांस वाटिका को देखते प्रशिक्षणार्थी

प्रशिक्षण के दौरान सिल्ली से आये शिल्पकारो द्वारा बांस से विभिन्न उत्पाद् का निर्माण

प्रशिक्षण के दौरान बनाई गयी टोकरी, संस्थान के निदेशक डॉ॰ एस॰ ए॰ अंसारी को भेट करती एक प्रशिक्षु

प्रशिक्षणार्थीयों को प्रमाण पत्र देते हुए संस्थान के निदेशक डॉ॰ एस॰ ए॰ अंसारी एवं कार्यक्रम समन्वयक डॉ॰ शरद तिवारी

प्रशिक्षण के बारे मे अपने विचार व्यक्त करते प्रशिक्षणार्थी

वन उत्पादकता संस्थान में प्रशिक्षण

पिस्का नगड़ी | लालगुटवा स्थित वन उत्पादकता संस्थान, रांची की ओर से बांस उत्पादन, प्रबंधन एवं विपणन विषय पर चल रहे पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुक्रवार को समापन हो गया। संस्थान के निदेशक डॉ. एसए अंसारी ने कहा कि बांस से आजीविका का नया अवसर सृजित किया जा सकता है। इसके लिए इस क्षेत्र में हस्तशिल्प कार्यों में नवीनता और सतत प्रबंधन में सुधार की आवश्यकता है। डॉ. शरद तिवारी ने कहा कि बांस ग्रामीण क्षेत्र में आय बढ़ाने और रोजगार उपलब्ध कराने का माध्यम बन सकता है। मौके पर डॉ. अनिमेश सिन्हा, डॉ. मालविका रे आदि मौजूद थीं।

किसानों को मिला प्रबंधन का प्रशिक्षण

पिस्का नगड़ी | पिस्का नगड़ी के लालगुटवा स्थित वन उत्पादकेता केंद्र में सोमवार को बांस तकनीक सहायता समूह के तहत बांस उत्पादन प्रबंधन एवं विपणन विषय पर प्रशिक्षण शुरू हुआ। प्रशिक्षण पांच दिनों तक चलेगा। उदघाटन रांची विवि के पूर्व कुलपति डॉ. केके नाग, संस्थान के निदेशक एएस अंसारी, प्रशिक्षण समन्वयक शरद तिवारी और वैज्ञानिक डॉ. मालविका रे ने किया। प्रशिक्षण में बुंडू, खूटी, लोहरदगा, मूरी और गुमला के 25 किसान भाग ले रहे हैं।

लालगुटुवा में पांच दिवसीय प्रशिक्षण शुरू

पिस्कानगड़ी. लालगुटवा स्थित वन उत्पादकता केंद्र में सोमवार को बांस उत्पादन प्रबंधन एवं विपणन विषय पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण शुरू हुआ. बांस तकनीकी सहायता समूह के अंतर्गत आयोजित इस प्रशिक्षण शिविर का उदघाटन पूर्व कुलपति डॉ केके नाग, संस्थान के निदेशक ए एस अंसारी, प्रशिक्षण समन्वयक शरद तिवारी एवं वैज्ञानिक डॉ मालविका रे ने किया. प्रशिक्षण में बुंडू, खूंटी, लोहरदगा, मुरी व गुमला के 25 किसान भाग ले रहे हैं.

प्रभात खबर एवं दैनिक भास्कर मे प्रकाशित प्रशिक्षण का समाचार